an>

title: Need to make a provision for agricultural grants to the farmers who lost 20 percentage to 50 percentage of their crops due to hailstorms.

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत (जोधपुर) : मैडम, अनेक लोगों ने यह विषय उठाया है। गत वर्ष जब इसी फसल के समय में देश के विभिन्न प्रान्तों में ओलावृष्टि हुई और असमय बारिश के कारण अन्नदाता का मुहं में आया हुआ निवाला छीन लिया गया। भारत भर के किसानों ने माननीय मोदी जी को धन्यवाद ज्ञापित किया था, जब उन्होंने प्रोएक्टिव मैनर में भारत सरकार की टीमें भेजकर किसानों को सम्बल प्रदान करने के लिए मुआवजे की राशि में भी परिवर्तन किया था, मुआवजे की दर में भी परिवर्तन किया था और मुआवजे के आधार को घटाकर 33 प्रतिशत किया था। दुर्भाग्य से ठीक ऐसी ही परिस्थिति मेरे प्रान्त में, मध्य प्रदेश में एवं अन्य जगहों पर एक बार फिर बनी है और अनेकानेक किसानों के, लाखों किसानों की फसल असमय ओलावृष्टि, जिसके तीन चरण हो चुके हैं और यह लगातार कल रात तक जारी रहा, से जीरे की फसल, ईसबगोल की फसल, गेहूं और सरसों की फसलें तबाह हो चुकी हैं।

मैं एक बार फिर आपके माध्यम से भारत सरकार और माननीय कृषि मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करते हुए, जैसा सभी सांसद बन्धुओं ने कहा है कि यह सबकी समस्या है, इसमें एक बार फिर भारत सरकार प्रोएक्टिव मैनर में काम करे। आने वाले समय में माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो फसल बीमा योजना दी है, उससे किसानों को सुरक्षित और संरक्षित होने का मौका मिलेगा, लेकिन वर्तमान में ऐसी स्थिति बनी है, इसमें हमारा किसान आत्महत्या के लिए मजबूर न हो, छोटे किसान के साथ-साथ खेत में काम करने वाला कृषक भी मजबूर न हो, इसलिए उनको तुरंत सम्बल की आवश्यकता है। भारत सरकार को एक बार फिर प्रोएक्टिव मैनर से इस दिशा में काम करने की आवश्यकता है।

माननीय अध्यक्ष : श्री विष्णु दयाल राम, श्री सी.आर.चौधरी, श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया, डॉ. किरिट पी. सोलंकी, श्री सुनील कुमार सिंह, श्री सुधीर गुप्ता, श्री रेड़मल नागर, श्री सुभाष पटेल, श्री भैरों प्रसाद मिश्र, *m1 कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी, श्री शरद त्रिपाठी, श्री केशव प्रसाद मौर्य और श्री रामचरण बोहरा को श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।